43

Hodgson

H. 108.

Tattvajnâna-
saṃsiddhi

ROYAL
ASIATIC
SOCIETY.

43

BEGINNING

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ROYAL ASIATIC SOCIETY

ন ছত্তাম্বুনা প্রদীপ্তমালা নির্মলন স্থাম্বুজাবক্ত্রো ন তাথা ३ পুন যি যষ্ঠক নত্রাস্বনা বিদ্যুল্লেখা বিদ্রুদ্ধপ্রী

বৈ যরী তার্থঃস্বজান ॥ বিচ্ছিন্নিকা দেল গুহ্যতাল স্কযো বগল নাম্বক যর স্কযন জেন বেব ছিনা ল্লক্ষা এতেন কিমু কুম্যাত ॥ প্রস্থগী কক পানি বিল বঃ পুনঃ কেকু

নাড যানাড ন্নিনা সমমু হুতা ॥ কলব ক্রকঃ ॥ কলস্কিত বক্রী কল বক্রা নিমান বক্রা কম্মানিত মূযব ত্রয বক্রাণাম মধ্যে মঞ্জী লো বল্লিলাত ॥ পুনঃ ॥ সুনিল পুন ঃনি

লোবাকঃ ॥ জেন পুন কম্পিতাপ্রে বেলে যবিঃ ॥ সুযাম বাযুন ... প্রেযেড ত্রোল্যক কেডিনা বঃ দিব্যা দিত্রিকযা দর্ষ কম্মী কতে এক লোলী কতে ॥ বেত্রিক যঁয

যানাত থা ॥ পুন স্ত্রিলোকমণ্ডিনা ॥ ত্রিলোকা দেবানূর মনুষ্যাঃ ... ॥ কেমৈ দিনু ভ্রুডিষ ॥ মদপ্রভয়া বৰ্দ্ধনীয কাত ॥ পুনঃ যীপ্র বরা মানুষা ॥ যীপ্র বঃ সকন ম্য

বাবা প্রবেশং জেন মুখ তাঃ ॥ যাযিনা প্লাবিতে যেঃ ॥ এক মূর্ধ কচ বর লংসব লী কয়ে বোধ্যা ॥ পুনষ্ট হ স্কন নম্বা বিলা ॥ বুদ্ধঃ সংম্যাজ্ঞে বুদ্ধঃ ॥ কে ম্য জ্ঞনং সংম্যজ্ঞান ॥ কবেঁত পুনমা ক

যাড নং সমাস্বা বৈলে বা তুল্মে নাবিলা ॥ পুন বসনা ॥ সদৈব মকজন কক যিপী লাক ॥ পুনর্ভি কল্যা কলুষ ॥ ক্লেশাঃ ॥ আগাদয ॥ লৈবিগ নাম স্থা কে মায বাকা ৩

... সমাযনন্দ ... দিপ্র যমস্তো কথাজনা ॥ ... প্রয়া ... ॥ নসবামধ্যগতি ... নাযা যথেষ্ট সন্তবাথে ... গাকি ... নাযি

লোকা গঙ্গা দিবা পূর্বম্ম বাথ ছাকল্প স্বস্তু যদিবা পূষ্পাকা ... বন সিবানাহি কা পূর্ব বৃদ্ধ যথ কেতযঃ ক্লু বস্তু লা বিজ বস্তু পক্ষি সূনা লিঙ্গালাবি দিন গামণ্ডলগতা

নিম্মালা বজ্রী দত্ত দিন গামণ্ডলে সূযাবিম্ব নক্ষ গা দত্রাপ্য ... গিলব বস্তি গা নিম্মালা বৃত্তা যদি সূর্যমণ্ডলে মধ্যস্থ যথ ॥ পুনর্দ্ধ কায়াদিব ত্রাদ্ধগা ॥ কলা বসাদি

মধ্যস কালিঃ কালিঃ আদিগাস্থন বর্ণা সবালিঃ কায়াদযা বস্তু ... মধ্য গাথা কায়াদিবন্ধা স্ব বাদ্ধ কা দিনগা মণ্ডলে আলিকালি যক্তি দযন বামদক্ষি লো বল্লো নাত্ত

কাযাদি বিক্তাবঃ ॥ পূর্ণঃ ॥ ধ্যাক্ষালক্ষিণ নাক্ষ লা ॥ ধ্যাক্ষাল ৪ থা ... কলিকম্পা সাকল না ॥ প্রিয়বেজিথ্যা ক্ষালক্ষলন ॥ জবেডক্ষি লা বা সবা কালিমণী যথঃ ॥ মামধ্য সবাঃ

দবঃ সবর্নী প্রাক্ত ॥ সইলানি ঃ ... মেব ॥ লমক যথ ... সবাযস্যাঃ সান থা ... তাযিনু কঃ ॥ গবনী কল্যায়ঃ ॥ পুনঃ ॥ সূক্ষ্মা দুম্ব তায মা ॥ সূক্ষ্ম ॥ সূক্ষ্ম বকপ্রলি

দ্রুতযম্মগুহ্যক্ষা দিযক্ষা ক্ষু মবত্রিক বাযমান্দ্র দ্বীয স্যাঃ সাক থামনা হেব নিম্মী বাবালো ॥ গপুন বিযাবুদ্ধি বাদম্যক দহদি যাবদিযালা ... বংশাদিবস্তুদব্ধা বদ্ধা বেযাবনী

... দিঃ ... স্বামানামপ্ত বাবাবী সুবা ...

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हूँ हूँ हूँ फट् स्वाहा। ॐ ॐ ॐ हूँ हूँ हूँ फट् स्वाहा। ॐ भ्रूं भ्रूं हूँ हूँ हूँ फट् स्वाहा स्वाहा। ॐ ॐ ॐ हूँ हूँ हूँ फट् स्वाहा। ॐ ॐ ॐ हूँ हूँ हूँ फट् स्वाहा। ॐ ॐ ॐ हूँ हूँ हूँ फट् स्वाहा। ॐ ॐ ॐ हूँ हूँ हूँ फट् स्वा-
हा। ततो गन्धपुष्पधूपदीपनैवेद्यैः पुनः पूजयेत्। ॐ वज्रवाराहि वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ ह्रां ह्रीं यामिनि वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ ह्रीं ह्रीं मोहनि वज्रपुष्पे
प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ हूँ हूँ संचालिनि वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ हूँ हूँ संत्रासनि वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ फट् फट् चण्डिके वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ४
ॐ [illegible] वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ वज्रडाकिनी वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ पुल्लीरमलिनि वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। कामरूपिणि व-
ज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ श्रीहेरुक वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ प्रभूते कृकृते मुद्गरेश्वरि [illegible] ॐ धर्मकाये वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ संभोग-
काये वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ निर्माणकाये वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ महासुखकाये वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ वज्रडाकिनि वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा।

ॐ लामे वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ खण्डरोहे वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। ॐ रूपिणि वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ फट् स्वाहा। वज्रपुष्पेण पूजयेत्। ॐ वज्रपुष्पे प्रतीच्छ हूँ
फट् स्वाहा। [illegible] फट्
स्वाहा। माला मन्त्रः। बलिं दत्वा धूपदीपगन्धपुष्पादि बलिं दत्वा [illegible] ॐ आःहूँ फट्
स्वाहा। [illegible] ॐ वज्रवाराही हाहा। समयमनुपालय हूँ स्वाहा। ॐ [illegible] स्वाहा।
[illegible]
स्वाहा। [illegible] हूँ हूँ हूँ फट् फट् स्वाहा।। ।। अथ वज्रवाराहीस्तोत्र मन्त्र [illegible]
[illegible] ।। अथ [illegible]
[illegible] ।।।।।।

[illegible]

स्वस्तिक मन्त्र २

[illegible]

7

ROYAL
ASIATIC
SOCIETY

[illegible] 8

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

END
ROYAL
ASIATIC
SOCIETY.